FULL STOP - 30

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ बापदादा भी खेल देखते रहते हैं, हँसते रहते हैं। बच्चे गहराई में भी जाते हैं लेकिन गहराई के साथ-साथ कहाँ-कहाँ घबराते भी हैं। लास्ट सो फास्ट के भी संस्कार हैं। पहले विदेशियों में विशेष फँसने के संस्कार थे अभी हैं फास्ट जाने के संस्कार। एक में नहीं फंसते हैं लेकिन अनेकों में फँस जाते हैं। **एक ही लाइफ में कितने पिंजरे होते हैं? एक पिंजरे से निकलते दूसरे में हँसते, दूसरे से निकलते तीसरे में फँसते।** तो जितना ही फंसने के संस्कार थे उतना ही फास्ट जाने के संस्कार हैं।

➳ _ ➳ सिर्फ एक बात है, **छोटी चीज़ को बड़ा नहीं बनाओ। बड़े को छोटा बनाओ। यह भी होता है क्या? यह क्वेश्चन नहीं। यह क्या हुआ? ऐसे भी होता है? इसके बजाए जो होता है, कल्याणकारी है। क्वेश्चन खत्म होने चाहिए। फुलस्टाप। बुद्धि को इसमें ज्यादा नहीं चलाओ नहीं तो एनर्जी वेस्ट चली जाती है और अपने को शक्तिशाली नहीं अनुभव करते। क्वेश्चन मार्क ज्यादा होते हैं।**

➳ _ ➳ तो अब मधुबन की वरदान भूमि में क्वेश्चन मार्क खत्म करके, फुलस्टाप लगा के जाओ। क्वेश्चन मार्क मुश्किल है, फुलस्टाप सहज है। तो सहज को छोड़कर मुश्किल को क्यों अपनाते हो! उसमें एनर्जी वेस्ट है और फुलस्टाप में लाइफ ही बैस्ट हो जायेगी। वहाँ वेस्ट वहाँ बैस्ट तो क्या करना चाहिए? अभी वेस्ट नहीं करना। हर संकल्प बैस्ट, हर सेकण्ड बैस्ट। अच्छा लंदन निवासियों के साथ-साथ की रूह-रूहान हो गई।
(08.01.1982)

➢➢ ब्राह्मण जीवन के पिंजरे

➳ _ ➳ देह भान का पिंजरा

➳ _ ➳ लोभ

→ पैसे की हबच

➳ _ ➳ विचारों का पिंजरा

→ Overthinking

➳ _ ➳ भावनाओं का पिंजरा

→ किसी के प्रति घृणा से भरे रहते हैं

➳ _ ➳ संबंधो का पिंजरा

→ समबन्ध ही पुरुषार्थ में बाधा है

➳ _ ➳ Digital Cage

→ टीवी, मोबाइल, इन्टरनेट, कंप्यूटर

➳ _ ➳ Fashion

➳ _ ➳ Side Scenes